कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

कृषि पंचांग–2023

!! संदेश !!

कृषि विश्वविद्यालय कोटा का है प्रयास।
कृषि उन्नति से ही देश का विकास।।

–डॉ. अभय कुमार व्यास

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

विश्वविद्यालय- एक दृष्टि

फोन नं. : 0744-2321203, ई-मेल : aukota2013@gmail.com, registrar@aukota.org, वेब साइट : www.aukota.com

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना राज्य के दक्षिणी पूर्वी क्षेत्र के विकास एवं कृषि समृद्धि के उद्देश्य से 14 सितम्बर 2013 को हुई। जिसके कार्यक्षेत्र में छ: जिले-कोटा, बाराँ, झालावाड़, बून्दी, सवाई माधोपुर एवं करौली को शामिल किया गया है जो कि राजस्थान के मौसम आधारित दो कृषि जलवायु क्षेत्रों जोन.III-ब (बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र) एवं जोन-V (आद्र दक्षिण पूर्वी मैदानी क्षेत्र) सम्मिलित है।

इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 732 से 1005 मिलीमीटर तक है। तथा सिंचाई के प्रमुख स्रोतों में नहर एवं ट्यूबवैल शामिल हैं। इस क्षेत्र में चम्बल, कालीसिंध, परवन तथा गम्भीरी मुख्य नदियां बहती हैं।

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्धेश्य मानव संसाधन विकास व कृषि में टिकाऊ वृद्धि हेतु सही व प्रभावी तकनीकी का विकास एवं प्रसार करने के साथ-साथ इससे जुड़े हुए पहलुओं खाद्य व पोषण सुरक्षा, आय बढ़ाना तथा पर्यावरण सुरक्षा हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित तीन भागों में बंटा हुआ है :

शिक्षण: विश्वविद्यालय में कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम संचालित है जो कि गुणात्मक शिक्षा सुलभ करवाने के कार्य में सतत् प्रयत्नशील है। इस हेतु उम्मेदगंज, कोटा एवं हिण्डौली, बून्दी में एक-एक कृषि महाविद्यालय तथा झालावाड़ में राज्य का एकमात्र उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय स्थापित है।

अनुसंधान : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के अन्तर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा, खानपुर व सुल्तानपुर फार्म तथा यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा शामिल हैं। अनुसंधान केन्द्र पर 14 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित हैं। यांत्रिक कृषि फार्म पर प्रतिवर्ष 14000-16000 क्विंटल गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन होता हैं।

प्रसारशिक्षा : प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य उन्नत कृषि तकनीक का त्वरित हस्तांनान्तरण कर कृषि उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि तथा कौशल विकास करना है। इस हेतु प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषि सूचनाऐं कृषक, महिला कृषक एवं ग्रामीण युवाओं को सुलभ करवाई जाती है। निदेशालय के अधीन 6 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र (कोटा, बून्दी, बाँरा, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर) कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र

विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण

पद	नाम	दूरभाष	मोबाइल
माननीय कुलपति महोदय	डॉ. अभय कुमार व्यास	0744-2321203	
		0744-2321204	
कुलसचिव	श्री एन.के. जैन	0744-2321205	मो.99506-58669
वित्त नियंत्रक	श्री रामधन रैगर	0744-2321206	मो. 94140-05488
निदेशक अनुसंधान	डॉ. प्रताप सिंह	0744-2321207	मो. 94143-31136
निदेशक प्रसार शिक्षा	डॉ. एस.के. जैन	0744-2326727	मो. 94147-82564
निदेशक (पी.एम.एण्ड ई.)	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2340048	मो. 94147-58940
निदेशक मानव संसाधन विकास	डॉ. ममता तिवारी	0744-2340049	मो. 94141-77128
निदेशक छात्र कल्याण	डॉ. जितेन्द्र सिंह	07432-241155	मो.99503-15761
निदेशक शिक्षा	डॉ. आशुतोष मिश्रा	0744-2321203	मो. 70140-73470
अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महा., झालावाड़	डॉ.आई.बी. मौर्य	07432-241155	मो. 98870-95532
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	डॉ.एम.सी. जैन	0744-2941655	मो. 94145-95682
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली, बून्दी	डॉ.एन.एल. मीणा	07436-294130	मो. 94145-39008
परीक्षा नियंत्रक	डॉ. वीरेन्द्र सिंह	07432-241155	मो. 94287-06638
भू-सम्पति अधिकारी	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2324530	मो. 94147-58940
क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	डॉ. प्रताप सिंह	0744-2943306	मो. 94143-31136
अतिरिक्त निदेशक, (सीड एण्ड फार्म)	डॉ. एन.आर. कोली		मो. 94135-30031
जन सम्पर्क अधिकारी	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2326727	मो. 94147-58940
प्रभारी अधिकारी केन्द्रीय भण्डार	डॉ. चिराग गौतम	0744-2326726	मो. 91104-67271
प्रभारी अधिकारी विश्वविद्यालय अतिथिगृह	डॉ. राकेश कुमार बैरवा		मो. 94130-93805
नोडल अधिकारी, विश्वविद्यालय वेबसाईट	डॉ. चिराग गौतम		मो. 91104-67271
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	डॉ. महेन्द्र सिंह	0744-2326726	मो. 94142-13488
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	डॉ. हरीश वर्मा	0747-2457162	मो. 94142-87415
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारा)	डॉ. डी.के. सिंह	07457-244862	मो. 94146-62038
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	डॉ. तारा चन्द वर्मा	07432-230205	मो. 94143-85905
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	डॉ. बी.एल. ढाका	07462-213207	मो. 94140-62768
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	-डॉ. बच्चू सिंह	07469-209969	मो. 94149-74292
प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज	-डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा	0744-2209388	मो. 94143-16578
प्रभारी अधिकारी, ए.आर.एस.एस., अकलेरा	श्री प्रदीप चौधरी		मो. 81687-18074
प्रभारी अधिकारी, ए.आर.एस.एस., खानपुर	डॉ. शंकर लाल यादव		मो. 90010-24043
प्रभारी अधिकारी, सुल्तानपुर फार्म	डॉ. हरफूल मीणा		मो. 94602-46043

प्रकाशन

महत्वपूर्ण दिवस

दिनांक	दिवस
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस
8 मार्च	अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस
21 मार्च	विश्व वानिकी दिवस
22 मार्च	विश्व जल संरक्षण दिवस
22 अप्रेल	विश्व पृथ्वी दिवस
22 मई	अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस
21 जून	अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस
11 जुलाई	विश्व जनसंख्या दिवस
16 जुलाई	भा.कृ.अनु.परिषद स्थापना दिवस
15 अगस्त	स्वतन्त्रता दिवस
16 से 22 अगस्त	गाजर घास जागरुकता सप्ताह
5 सितम्बर	शिक्षक दिवस
8 सितम्बर	अर्न्तराष्ट्रीय साक्षरता दिवस
2 अक्टूबर	स्वच्छ भारत मिशन
4 अक्टूबर	विश्व पशु कल्याण दिवस
15 अक्टूबर	महिला किसान दिवस
16 अक्टूबर	विश्व खाद्य दिवस
3 दिसम्बर	राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस
4 दिसम्बर	अर्न्तराष्ट्रीय कृषक महिला दिवस
5 दिसम्बर	विश्व मृदा दिवस
23 दिसम्बर	किसान दिवस

खेती की नवीनतम जानकारी हेतु

बात करें-
किसान कॉल सेंटर 18001801551 (टोल फ्री)
प्रात: 6 से रात्रि 10 बजे तक

देखें-
जयपुर दूरदर्शन पर
खेती बाडी -गुरूवार सांय 7.30 बजे
कृषि दर्शन-सोमवार से शुक्रवार सांय 5.30 बजे
डी.डी. किसान चैनल-24X7

सुने-खेती री बातां, आकाशवाणी कार्यक्रम
सांय 7.45 से 8.15 तक

मिलें- जिले के नजदीकी कृषि विज्ञान केन्द्र या कृषि कार्यालय में

लॉग ऑन करें-
www.aukota.org
www.agriculture.rajasthan.gov.in
www.farmer.gov.in

संरक्षक

डॉ. अभय कुमार व्यास
कुलपति

मार्गदर्शक
डॉ. एस.के. जैन
निदेशक प्रसार शिक्षा

सम्पादक मण्डल
डॉ. राकेश कुमार बैरवा
डॉ. रूपसिंह
सुश्री सरिता

सहयोग
श्री मुकेश चौधरी
श्री राधेश्याम पाराशर
श्री राहुल गुप्ता
श्री नीतेश गौतम

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

26. गणतंत्र दिवस

जनवरी, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	1 पौष शुक्ला दशमी	8 द्वितीया दिन-रात	15 अष्टमी	22 माघ शुक्ला	29 अष्टमी
सोमवार Monday	2 एकादशी	9 द्वितीया	16 नवमी	23 द्वितीया	30 नवमी
मंगलवार Tuesday	3 द्वादशी	10 तृतीया	17 दशमी	24 तृतीया	31 दशमी
बुधवार Wednesday	4 त्रयोदशी	11 चतुर्थी	18 एकादशी	25 चतुर्थी	1 नव वर्ष प्रारम्भ
गुरूवार Thursday	5 चतुर्दशी	12 पंचमी	19 द्वादशी	26 पंचमी	14 मकर संक्राति
शुक्रवार Friday	6 पूर्णिमा	13 षष्ठी (छठ)	20 त्रयोदशी-चतुर्दशी	27 षष्ठी	26 गणतंत्र दिवस
शनिवार Saturday	7 माघ कृष्णा	14 सप्तमी	21 अमावस्या	28 सप्तमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. फसलों को पाले से बचाव हेतु सिंचाई करें व गन्धक के तेजाब (सान्द्रता 90 प्रतिशत) की एक लीटर मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
2. गेहूँ की खड़ी फसल में जस्ते की कमी होने पर जिंक सल्फेट 5 कि.ग्रा. +बुझा हुआ चुना 2.5 कि.ग्रा. को 1000 लीटर प्रति हैक्टर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
3. गेहूँ की फसल पर ब्रासिनोस्टेरोइड 0.5 पी.पी.एम. व साइटोकाइनिन हार्मोन 1.0 पी.पी.एम. का छिड़काव 70-75 दिन की अवस्था पर करें।
4. चने में फली छेदक कीट के प्रबन्धन हेतु एसीफेट 75 एस.पी. का 500 ग्राम या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें तथा सर्वेक्षण हेतु 7-8 एवं प्रबन्धन के लिए 20-25 फेरोमेन ट्रेप प्रति हैक्टर लगायें।
5. चना फसल में फूल शुरू होने व फली बनने की अवस्था में 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट + 0.1 प्रतिशत फेरस सल्फेट का पर्णीय छिड़काव करें।
6. चना फसल में पानी की कमी वाले क्षेत्रों में फली बनने की अवस्था पर थायोसेलिसिलिक अम्ल 100 पीपीएम का पर्णीय छिड़काव करें।
7. मटर की खड़ी फसल में एन.पी.के. 19:19:19 का 0.5 प्रतिशत पर्णीय छिड़काव फूल आने से पूर्व तथा फली बनते समय करें।
8. सरसों में फूल बनने के पश्चात् चैंपा नियंत्रण हेतु डाईमिथोएट 30 ई.सी. 875 मिलीलीटर या एसीफेट 75 एसपी 700 ग्राम प्रति हैक्टर का छिड़काव करें।
9. आलू में रस चूसक कीट नियंत्रण हेतु सिट्रानिलिप्रोल 10 प्रतिशत ओ.डी. का 600 मिली. प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें एवं आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरावें।
10. टमाटर फसल में फल छेदक नियंत्रण हेतु कीट प्रकोप प्रारम्भ होते ही एन. पी. वी. 250 एल. ई. प्रति हैक्टर या ब्यूवेरिया बेसियाना 5 मि.ली. प्रति लीटर के तीन पर्णीय छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें।
11. लो-टनल में कद्दूवर्गीय सब्जियों लौकी, टिण्डा, करेला, खीरा एवं तोरई की बुवाई करें।
12. पोली हाउस में सब्जियों की पौध तैयार करें।
13. बोई गई मिर्च, टमाटर एवं बैंगन की फसलों का पाले से बचाव करें।
14. संतरे में अम्बे बहार के फल लेने के लिए बगीचे में सिंचाई रोक देवें तथा हल्की जुताई अथवा गुड़ाई करें।
15. पशु-पालकों को चाहिए कि अगर मुँहपका-खुरपका रोग, पी.पी.आर., गलघोंटू, फड़किया, लंगड़ा बुखार आदि रोगों से बचाव के टीके नहीं लगवाए हों तो अभी लगवा लें। विशेष रूप से फड़किया, पी.पी.आर. का टीका लगवाएं। पशुओं व उनके बछड़ों को सर्दी से बचाव के प्रबन्ध करें।

श्री कलराज मिश्र
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

श्री अशोक गहलोत
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री लालचन्द कटारिया
माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री, राजस्थान

डॉ. अभय कुमार व्यास
माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

माननीय कुलपति : डॉ. अभय कुमार व्यास

फोन नं. : 0744-2321203

ई-मेल : vcaukota@gmail.com, vc@aukota.org. वेब साईट : www.aukota.com

कुलसचिव : श्री एन.के. जैन

फोन/फैक्स : 0744- 2321205, मोबाइल : 9950658669

ई-मेल : aukota2013@gmail.com, registrar@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

18. महाशिवरात्री

फरवरी, 2023

कृषि पंचांग

रविवार Sunday	18 महाशिवरात्रि	5 माघी पूर्णिमा	12 षष्ठी	19 चतुर्दशी	26 सप्तमी
सोमवार Monday		6 फाल्गुन कृष्णा	13 सप्तमी	20 अमावस्या	27 अष्टमी
मंगलवार Tuesday		7 द्वितीया	14 अष्टमी	21 फाल्गुन शुक्ला पड़वा	28 नवमी
बुधवार Wednesday	1 माघ शुदि	8 तृतीया	15 नवमी	22 तृतीया	
गुरूवार Thursday	2 द्वादशी	9 चतुर्थी दिन-रात	16 एकादशी	23 चतुर्थी	
शुक्रवार Friday	3 त्रयोदशी	10 चतुर्थी	17 द्वादशी	24 पंचमी	
शनिवार Saturday	4 चतुर्दशी	11 पंचमी	18 त्रयोदशी	25 षष्ठी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. बसंतकालीन गन्ने की बुवाई हेतु उन्नत किस्में, सी.ओ. 1007, सी.ओ.जे. 64, सी.ओ.पी.बी. 09181, प्रताप गन्ना 1, सी.ओ. 0238 एवं सिफारिशानुसार उर्वरक (10 टन गोबर की खाद, 200 किग्रा. नत्रजन, 60 किग्रा. फॉस्फोरस, 40 किग्रा. पोटाश, 40 किग्रा. गन्धक, 5 किग्रा. जिंक) एवं भूमि उपचार हेतु 12.5 किग्रा एजेटोबेक्टर व 12.5 किग्रा पी.एस.बी. कल्चर का प्रति हैक्टर प्रयोग कर बुवाई करें।
2. गेंहूँ व जौ की खड़ी फसल में दीमक नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई. सी. 4 लीटर या प्रीप्रोनील 0.3 प्रतिशत कण 20-25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ देवें।
3. सरसों में छाछ्या रोग नियंत्रण हेतु 20 कि.ग्रा. गंधक चूर्ण भुरके या 2.5 कि.ग्रा. गन्धक का 0.3 प्रतिशत घोल या केराथेन 750 मि.ली. प्रति हैक्टर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
4. चने में फली छेदक कीट प्रबन्धन हेतु परभक्षी चिड़ियाओं को खेत में बैठने हेतु एक हैक्टर में 40-50 ''टी'' आकार की बांस की खपच्ची फसल से एक फीट ज्यादा ऊँचाई की लगावें।
5. जायद भिंडी एवं कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई करें।
6. जुलाई में लगाये गये बगीचे में जो पौधे खराब हो गये हैं उनके रिक्त स्थान पर नये पौधों का रोपण करें।
7. सिंचाई की सुविधा वाले स्थानों पर संतरा, अमरूद एवं नींबू के नये बगीचे लगावें।
8. गेलार्डिया के बीजों (बल्ब) की क्यारियों में बुवाई करें।
9. संतरा फल तुड़ाई उपरान्त सूखी टहनियाँ निकाले तथा कॉपर आक्सीक्लोराइड + डाईमेथोऐट अथवा ईमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें।
10. नवजात छः माह की उम्र तक बछड़े-बछड़ियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा पीपराजीन ऐडीपेट नियमित रूप से दें।
11. दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए, उनका दूध पूरा व मुट्ठी बांध कर निकालें।
12. पशु आवास को सूखा रखें, चूने का भुरकाव करें व प्रतिदिन बिछावन बदलें।

विश्वविद्यालय पदाधिकारियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण

माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्रों की मासिक समीक्षा बैठक

कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को पीआरए तकनीक पर प्रशिक्षण

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा

निदेशक : डॉ. एस.के. जैन

मोबाइल नं. : 9414782564, कार्यालय फोन नं. : 0744-2326727,
ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र

प्रधान अन्वेषक : डॉ. मुकेश चन्द गोयल

मोबाइल नं. : 9414758940, कार्यालय फोन नं. : 0744-2340048
ई-मेल : dpmeaukota2013@gmail.com, dpme@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

6. होलिका दहन
7. धुलण्डी
23. चेटीचंड, 30. रामनवमी

मार्च, 2023

कृषि पंचांग

रविवार Sunday	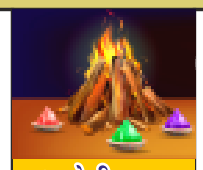 6 होली दहन	5 त्रयोदशी	12 पंचमी	19 द्वादशी	26 पंचमी
सोमवार Monday	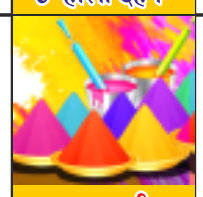 7 धुलण्डी	6 चतुर्दशी	13 षष्ठी	20 चतुर्दशी	27 षष्ठी
मंगलवार Tuesday	23 चेटीचंड	7 पूर्णिमा	14 सप्तमी	21 अमावस्या	28 सप्तमी
बुधवार Wednesday	1 फाल्गुन शुक्ला	8 चैत्र कृष्णा	15 अष्टमी	22 चैत्र शुदि पड़वा	29 अष्टमी
गुरूवार Thursday	2 एकादशी दिन-रात	9 द्वितीया	16 नवमी	23 द्वितीया	30 नवमी
शुक्रवार Friday	3 एकादशी	10 तृतीया	17 दशमी	24 तृतीया	31 दशमी
शनिवार Saturday	4 द्वादशी	11 चतुर्थी	18 एकादशी	25 चतुर्थी	30 श्री रामनवमी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. जायद मूंग की उन्नत किस्में: आई.पी.एम. 02-03, पी. डी.एम. 139 एवं एस.एम.एल. 668 की बुवाई करें।
2. जायद मूंग फसल को 125 प्रतिशत संस्तुति उर्वरक की मात्रा (25 नत्रजन, 50 फास्फोरस, 37 पोटाश) एवं फव्वारा द्वारा 8-10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।
3. ग्रीष्मकालीन हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा, लोबिया की बुवाई करें एवं मीठी सूडान, संकर हाथी घास की रोपाई करें।
4. गेहूँ व जौ की खड़ी फसल में चूहा नियंत्रण हेतु एल्युमिनियम फॉस्फाइड की 10 ग्राम पाउच प्रति बिल में रखकर बन्द कर देवें।
5. संतरे में फल तोड़ने के बाद सूखी टहनियों को निकाले तथा साथ ही कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 ग्राम/लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
6. अमरूद के फलदार पौधों में मृग बहार लेने हेतु सिंचाई बन्द कर देवें।
7. ग्रीष्म कालीन टमाटर की पौध का रोपण खेत में करें।
8. खेत खाली होने पर जायद सब्जियों की बुवाई करें।
9. बरसीम, रिजका तथा जई का ''हे'' बनायें।
10. यदि मच्छर, मक्खी, चींचड़ आदि जीवों की संख्या में वृद्धि हो रही हो, तो इनसे फैलने वाले रोगों से बचाव करना आवश्यक है।
11. ब्याने वाले पशुओं को प्रसूति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें तथा पशुओं के बाटें में खल, चूरी, चापड़, दलिया एवं नमक मिलाकर देवें।

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मसूर की किस्म कोटा मसूर-3

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उडद की किस्म कोटा उडद -4

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित चने की किस्म कोटा काबूली चना-1

अनुसंधान निदेशालय, कोटा

निदेशक : डॉ. प्रताप सिंह

मो0 नं0 94143-31136 कार्यालय फोन : 0744-2321207

ई-मेल : draukota@gmail.com, draukota@aukota.org

क्षेत्रीय निदेशक (अनुसंधान) : डॉ. प्रताप सिंह

मो0 नं0 94143-31136 कार्यालय फोन : 0744-2943306

ई-मेल : zdrarskota@gmail.com, arskota@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

4. श्री महावीर जयंती, 7. गुड फ्राइडे
14. डॉ. अम्बेडकर जयन्ती,
22. इदुलफितर (चांद से), परशुराम जयन्ती

अप्रैल, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	30 दशमी	2 द्वादशी दिन-रात	9 तृतीया	16 एकादशी	23 तृतीया
सोमवार Monday	4. महावीर जयन्ती	3 द्वादशी	10 चतुर्थी	17 द्वादशी	24 चतुर्थी
मंगलवार Tuesday	7. गुड फ्राइडे	4 त्रयोदशी	11 पंचमी-षष्ठी	18 त्रयोदशी	25 पंचमी
बुधवार Wednesday	14 डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती	5 चतुर्दशी	12 सप्तमी	19 चतुर्दशी	26 षष्ठी
गुरूवार Thursday	22. ईदुल फितर	6 पूर्णिमा	13 अष्टमी	20 अमावस्या	27 सप्तमी
शुक्रवार Friday	22. परशुराम जयंती	7 वैशाख कृष्णा	14 नवमी	21 वैशाख शुक्ला	28 अष्टमी
शनिवार Saturday	1 चेत्र शुक्ला एकादशी	8 द्वितीया	15 दशमी	22 द्वितीया	29 नवमी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. खाली खेतों में एम.बी. प्लाऊ से ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
2. खेत की मिट्टी का परीक्षण करवाकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवायें एवं सिफारिशानुसार फसलों में पोशक तत्वों का प्रयोग करें।
3. गन्ने में अंकुरण तक समय-समय पर हल्की सिंचाई दें जिससे अंकुरण शीघ्र तथा अच्छा होगा। गर्मी की फसल मूँग व उड़द में 10-15 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई करें।
4. कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल मक्खी के रोकथाम हेतु फल मक्खी ट्रेप 20-25 प्रति हैक्टर लगाावें या फूल आने से पहले डाईमिथोएट एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
5. मिर्च की फसल में थ्रिप्स की रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 48 प्रतिशत एफ.एस. 10 मिली/किग्रा बीजोपचार व इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 2 मिली/लीटर पानी से पौध उपचार एवं डाइफेनथ्यूरोन 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. का 1 ग्राम/ली. पानी का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें। नीले एवं पीला रंग के चिपचिपे ट्रेप भी लगावें।
6. मिर्च फसल में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु सायमोक्सानिल 8 प्रतिशत + मेन्कोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 1.5 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत + मेन्कोजेब 63 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
7. संतरे की मृग बहार फसल लेने के लिए सिंचाई को रोकें।
8. नींबू वर्गीय फलों में फलों को गिरने से बचाने हेतु 2, 4-डी (उद्यानिकी ग्रेड) या जिब्रलिक अम्ल 15 मिली ग्राम प्रति लीटर का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
9. संतरे में इस माह काली मक्खी काफी मात्रा में अण्डे देती है, जिनसे निम्फ बन जाते है, जो पत्तियों व टहनियों का रस चूसती है। इसकी रोकथाम हेतु एसिफेट 1.25 ग्राम या डाइमिथोएट 2.0 मि.ली. या क्यूनालफॉस 1.5 मि.ली. या प्रोफेनाफॉस 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव ट्रेक्टर चलित पावर स्प्रेयर की सहायता से करें
10. पपीता की रेड लेडी 786 किस्मों के पौधों का रोपण करें।
11. पशुओं में जल व लवण की कमी, भूख कम होना एवं कम उत्पादन, अधिक तापक्रम के प्रमुख प्रभाव होते हैं। अतः पशुओं को अत्यधिक तापक्रम से बचाने के उपाय करें।
12. पानी पीने की कुण्डी साफ रखें एवं चूने से पुताई करें, पशुओं को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाने का प्रयास करें। भेड़-बकरियों को परजीवी से बचाव के लिए परजीवी नाशक घोल में डुबोकर निकालें।
13. ग्याभिन (छः माह से अधिक) पशुओं को अतिरिक्त आहार दें।
14. फॉस्फोरस की कमी के कारण पशुओं में ''पाइका'' नामक रोग के लक्षण नजर आने लगते हैं। अतः बाँटे में लवण मिश्रण अवश्य मिलायें। पशुओं के लिए भूसे का अग्रिम भण्डारण करें।
15. खेतों में गेंहूँ फसल अवशेष प्रबंधन हेतु वेस्ट डिकम्पोजर या पूसा डिकम्पोजर का घोल तैयार कर छिड़काव करें।

माननीय कुलपति महोदय द्वारा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ पर स्थित संरक्षित खेती इकाई का अवलोकन

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा महाविद्यालय की संरक्षित खेती इकाई का अवलोकन

विद्यार्थियों का महाविद्यालय में शैक्षणिक भ्रमण

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

अधिष्ठाता : डॉ. आई. बी. मौर्य

मो0 नं0 98870-95532, कार्यालय फोन : 07432-241155

ई-मेल : chf@aukota.org, deancohf2004@gmail.com

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

5. माननीय कुलपति महोदय द्वारा घोषित अवकाश (बुद्ध पूर्णिमा)

22. महाराणा प्रताप जयन्ती

मई, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday		7 द्वितीया	14 दशमी	21 द्वितीया	28 अष्टमी
सोमवार Monday	1 बैशाख शुक्ला	8 तृतीया	15 एकादशी	22 तृतीया	29 नवमी
मंगलवार Tuesday	2 द्वादशी	9 चतुर्थी	16 द्वादशी	23 चतुर्थी	30 दशमी
बुधवार Wednesday	3 त्रयोदशी	10 पंचमी	17 त्रयोदशी	24 पंचमी	31 एकादशी
गुरूवार Thursday	4 चतुर्दशी	11 षष्ठी	18 चतुर्दशी	25 षष्ठी	22. महाराणा प्रताप जयंती
शुक्रवार Friday	5 पूर्णिमा	12 सप्तमी	19 अमावस्या	26 सप्तमी दिन-रात	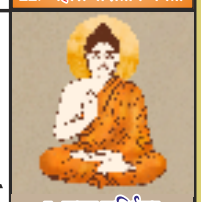 5. बुद्ध पूर्णिमा
शनिवार Saturday	6 ज्येष्ठ कृष्णा	13 अष्टमी-नवमी	20 ज्येष्ठ शुक्ला	27 सप्तमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. लेजर लेण्ड लेवलर द्वारा खेतों के समतलीकरण का कार्य करें।
2. वर्षा जल संग्रहण हेतु खेत तलाई या प्लास्टिक जल कुण्ड का निर्माण करें।
3. धान की नर्सरी लगाने हेतु खेत की तैयारी करें।
4. हजारा (गैंदा) की पौध तैयार करें।
5. नये बगीचों में उपयुक्त सिंचाई का प्रबन्ध करके गर्म हवाओं से बचायें।
6. अमरूद के फलदार बगीचों में सिंचाई प्रारम्भ कर देवें।
7. फलदार पौधों के तनों पर दो फीट की ऊंचाई तक बोर्डोपेस्ट से पुताई करें। बोर्डोपेस्ट तैयार करने के लिए 1 किलो कॉपर सल्फेट 5 लीटर पानी को रात भर भिगायें। इसी तरह एक किलो चूना 5 लीटर पानी में एक प्लास्टिक की बाल्टी में अलग भिगोयें। दूसरे दिन सुबह दोनों बाल्टी की सामग्री को मिलायें तथा इस पेस्ट को 12 घंटों के भीतर फलदार पौधों के तने पर लगायें।
8. फलदार बगीचों अमरूद, अनार, सन्तरा, मौसमी इत्यादि हेतु गढ्ढों की खुदाई करें।
9. पशुओं को धूप व लू से बचाने के उपाय करें एवं पशुओं को संतुलित आहार दें, जिससे उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता बनी रहे। पशु आवास की 4-6 इंच मिट्टी निकालकर दूसरी मिट्टी डालें।
10. पशुओं में लवणों की कमी नहीं हो, इस हेतु लवण-मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बाँटे में मिलाकर दें।
11. भेड़ बकरियों को माता रोग का टीका अवश्य लगवायें।

महाविद्यालय के प्रथम वार्षिक उत्सव में अतिथियों द्वारा पुरूस्कार वितरण

कृषि महाविद्यालय कोटा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

कृषि महाविद्यालय कोटा में नव आगन्तुक विद्यार्थियों का ओरियन्टेशन कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, कोटा

अधिष्ठाता : डॉ.एम.सी. जैन

मो0 नं0 94145-95682, कार्यालय फोन : 0744-2941655

ई-मेल : deancoa2018@gmail.com, coakota@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

29. ईदुलअज़्हा (चांद से)

जून, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday		4 पूर्णिमा	11 अष्टमी	18 अमावस्या	25 सप्तमी
सोमवार Monday	29. ईदुल अज़्हा	5 आषाढ़ कृष्णा	12 नवमी	19 आषाढ़ शुक्ला	26 अष्टमी
मंगलवार Tuesday		6 तृतीया	13 दशमी	20 द्वितीया	27 नवमी
बुधवार Wednesday		7 चतुर्थी	14 एकादशी	21 तृतीया	28 दशमी
गुरूवार Thursday	1 ज्येष्ठ शुक्ला	8 पंचमी	15 द्वादशी	22 चतुर्थी	29 एकादशी
शुक्रवार Friday	2 त्रयोदशी	9 षष्ठी	16 त्रयोदशी	23 पंचमी	30 द्वादशी
शनिवार Saturday	3 चतुर्दशी	10 सप्तमी	17 चतुर्दशी	24 षष्ठी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. सोयाबीन की उन्नत किस्में : जे.एस. 20-34, जे.एस. 20-29, जे.एस. 93-05, जे.एस. 95-60, जे.एस. 97-52, प्रताप सोया 2, प्रताप राज सोया 24, प्रताप सोया 45 व आर.के.एस. 113 की बुवाई करें।
2. मक्का की उन्नत किस्में : नवजोत, प्रताप मक्का 3, प्रताप मक्का 5, प्रताप संकर मक्का 1, पी.एच.ई.एम. 2 व प्रताप पी.क्यू.एम. संकर 1 की बुवाई करें।
3. असिंचित क्षेत्रों में मक्का के साथ अन्तर शस्य फसलें सोयाबीन या उड़द की 2: 2 के अनुपात में बुवाई करें।
4. धान की नर्सरी लगाने हेतु पलेवा करके 1.0 से 1.5 मीटर चौड़ी क्यारियाँ बनायें।
5. धान की सीधी बुवाई 20-30 जून तक करें एवं पूसा सुंगधा 4, पूसा सुंगधा 5, पूसा बासमती 1509 किस्मों का प्रयोग करें तथा 120 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हैक्टर की दर से तीन बार में देवें।
6. अमरूद के फलदार पौधों में खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें।
7. फूल गोभी एवं पत्ता गोभी में अगेती किस्मों की नर्सरी तैयार करें।
8. वर्षाकालीन सब्जियों - भिण्डी, लोकी, टिण्डा, कद्दू, करेला, खीरा, ग्वारफली, चौला इत्यादि की उन्नत किस्मों की बुवाई करें।
9. फलदार बगीचों के गढ्ढों में खाद एवं उर्वरकों का मिश्रण भरकर रख देवें एवं वर्षा होने पर रोपण कार्य भी करें।
10. संतरे की मृग बहार की फलत लेने हेतु नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरकों का प्रयोग करें।
11. अमरूद एवं संतरा बगीचों में फल मक्खी के प्रकोप से बचाव के लिए फल मक्खी ट्रेप 20-25 प्रति हैक्टर लगावें।
12. चिंचड़ों व पेट के कीड़ों से पशुओं के बचाव का उचित प्रबन्ध करें तथा गलघोंटू, खुरपका-मुँहपका रोग एवं लंगड़ा बुखार बीमारी तथा फड़किया आदि के टीके लगवाऐं। पशुओं को अन्तः व बाहरी परजीवियों से बचाव लिए परजीवीनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
13. भेड़ के शरीर को ऊन कतरने के 21 दिन बाद, बाह्य परजीवियों से बचाने के लिए कीटाणुनाशक घोल से भिगोएं।

कृषि महाविद्यालय हिण्डौली पर संविधान दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय हिण्डौली की टीम झालावाड़ में कब्बड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए

कृषि महाविद्यालय हिण्डौली पर विश्व मृदा दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली (बून्दी)

अधिष्ठाता : डॉ. एन.एल. मीणा

मो0 नं0 94145-39008 कार्यालय फोन : 07436-294130

ई-मेल : deancoahindoli2021@gmail.com, coahindoli@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

29. मोहर्रम / ताजिया (चाँद से)

जुलाई, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	30 द्वादशी	2 चतुर्दशी	9 सप्तमी	16 चतुर्दशी	23 पंचमी
सोमवार Monday	31 त्रयोदशी	3 पूर्णिमा	10 अष्टमी	17 अमावस्या	24 षष्ठी
मंगलवार Tuesday	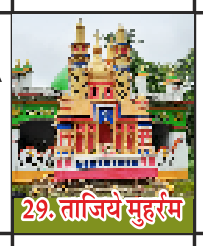	4 प्रथम श्रावण कृष्णा	11 नवमी	18 प्रथम श्रावण शुक्ला	25 सप्तमी
बुधवार Wednesday		5 द्वितीया	12 दशमी	19 द्वितीया	26 अष्टमी
गुरूवार Thursday		6 तृतीया-चतुर्थी	13 एकादशी	20 तृतीया दिन-रात	27 नवमी
शुक्रवार Friday		7 नाग पंचमी	14 द्वादशी	21 तृतीया	28 दशमी
शनिवार Saturday	1 आषाढ़ शुक्ला	8 षष्ठी	15 त्रयोदशी	22 चतुर्थी	29 एकादशी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. सोयाबीन फसल में संकरी एवं चौड़ी पत्तियों वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु अंकुरण से पूर्व पेन्डीमिथेलीन 30 ई.सी., इमेजाथायपर 2 ई.सी. (मिश्रित उत्पाद) का 960 ग्राम सक्रिय तत्व/है (व्यवसायिक दर 3000 मिली./है.) या सल्फेन्ट्राजोन, क्लोमेजोन 58 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण (मिश्रित उत्पाद) का 725 ग्राम सक्रिय तत्व/है (व्यवसायिक दर 1250 मिली./है.) को 500 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।
2. सोयाबीन की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोड़िनाफॉप प्रोपारजिल 8 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) 1000 मिलीलीटर प्रति हैक्टर या प्रोपेक्यूजाफॉप 25 प्रतिशत + इमेजाथापायर 3.75 प्रतिशत एम.ई. (मिश्रित उत्पाद) को 2 लीटर को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव करें।
3. मक्का में खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के तुरन्त बाद एट्राजिन 50 डब्ल्यू. पी. 500 ग्राम सक्रिय तत्व को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्ट. की दर से छिड़काव करें।
4. मक्का की खड़ी फसल में टॉपरामेजॉन 33.6 प्रतिशत एस.सी. का 25.2 ग्राम सक्रिय तत्व/है. या टेम्बोट्राइन 42 प्रतिशत एस.सी. का 120.75 ग्राम सक्रिय तत्व/है. की दर से बुवाई के 15.-20 दिन बाद छिड़काव करने पर संकरी व चौडी पत्तियों वाले खरपतवारों का नियंत्रण होता है।
5. उडद की उन्नत किस्में: प्रताप उडद 1, मुकन्दरा उडद 2, कोटा उड़द 3, कोटा उड़द 4, पन्त यू. 31, पन्त यू. 19 व के. यू. 96-3 की बुवाई करें।
6. तिल की उन्नत किस्म प्रताप, आर.टी. 46, आर.टी. 125, आर.टी. 103, आर. टी. 346 व आर.टी. 351 की बुवाई करें।
7. कम एवं अधिक वर्षा की स्थिति में सोयाबीन, उड़द एवं मूंग को चौड़ी मेड़ एवं कूँड पद्धति (बी.बी.एफ.) विधि से तीन पंक्तियों में बुवाई करें।
8. उडद की फसल में अंकुरण से पूर्व पेण्डीमिथेलीन 30 ई.सी. 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हैक्टर (व्यवसायिक दर 3.3 लीटर) का छिडकाव करके खरपतवारों की प्रभावी रोकथाम की जा सकती है।
9. उड़द की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु इमेजाथायपर 10 प्रतिशत एस. एल. 55 ग्राम सक्रिय तत्व या सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोडिनाफॉप प्रोपारजिल 8 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) 187.5 ग्राम सक्रिय तत्व (व्यवसायिक मात्रा 750 मिलीलीटर प्रति हैक्टर) को 500 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 15-20 दिन बाद (खरपतवार 3-4 पत्ती अवस्था) भूमि में पर्याप्त नमी की स्थिति में प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
10. फूल गोभी एवं पत्ता गोभी की अगेती किस्मों की पौध का खेत में रोपण कर देवें।
11. खरीफ प्याज की उन्नत किस्में एग्रीफाउन्ड डार्करेड, एन-53, भीमा राज व भीमा रेड का रोपण करें।
12. नींबू वर्गीय फलों में बारिश के दौरान केंकर रोग तेजी से फैलता है। इसकी रोकथाम करने के लिये 2-ब्रोमो-2-नाइट्रो प्रोपेन-1, 3-डाईऑल 0.25 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर प्रथम छिड़काव पत्तियों पर केंकर रोग के लक्षण दिखाई देने पर एवं द्वितीय और तृतीय छिड़काव आवश्यकतानुसार 15 दिन के अन्तराल पर करें।
13. कीचड, बाढ़ आदि का प्रभाव पशुओं पर न्यूनतम हो, ऐसे उपाय करें। हरे चारे के लिए ज्वार चरी, बाजरा चरी, मक्का, चंवला आदि की बुवाई करें।
14. पशु ब्याँने के दो घण्टे के अन्दर नवजात बछड़े व बछड़ियों को खीस अवश्य पिलाएं। पशुशाला को मच्छर व मक्खी से बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं का छिडकाव करें।

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र पर स्थित बकरी पालन इकाई का अवलोकन

माननीय श्री कैलाश चौधरी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा किसान सम्मेलन में किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र पर स्थित खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्व संवर्धन इकाई का अवलोकन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. महेन्द्र सिंह

मो0 नं0 94142-13488 कार्यालय फोन : 0744-2326726

ई-मेल : kvkborkherakota@gmail.com, kvkkota@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

9. विश्व आदिवासी दिवस
15. स्वतंत्रता दिवस
30. रक्षा बंधन

अगस्त, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	9. विश्व आदिवासी दिवस	6 पंचमी	13 द्वादशी	20 चतुर्थी	27 एकादशी
सोमवार Monday	15 स्वतन्त्रता दिवस	7 सप्तमी	14 त्रयोदशी	21 पंचमी	28 द्वादशी
मंगलवार Tuesday	1 प्रथम श्रावण शुक्ला	8 अष्टमी	15 चतुर्दशी	22 षष्ठी	29 त्रयोदशी
बुधवार Wednesday	2 द्वितीय श्रावण कृष्णा	9 नवमी	16 अमावस्या	23 सप्तमी	30 चतुर्दशी
गुरूवार Thursday	3 द्वितीया	10 दशमी	17 द्वितीय श्रावण शुक्ला	24 अष्टमी	31 पूर्णिमा
शुक्रवार Friday	4 तृतीया	11 एकादशी दिन-रात	18 द्वितीया	25 नवमी	30. रक्षा बन्धन
शनिवार Saturday	5 चतुर्थी	12 एकादशी	19 तृतीया	26 दशमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. मूंगफली की फसल में पेग (सूइयां) बनने से पूर्व निराई-गुड़ाई करें एवं झुमका किस्मों में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ावें।
2. धान की फसल में नत्रजन की शेष आधी मात्रा खेत से पानी निकालने के बाद दें। बासमती धान की सीधी बुवाई में एक तिहाई (40 किग्रा./हैक्ट.) कल्ले निकलने की अवस्था पर देवें।
3. कपास की फसल में नत्रजन की शेष आधी मात्रा देशी किस्म में (25 किग्रा./हैक्ट.) व संकर किस्म में (50 किग्रा./हैक्ट.) फूलों की कलियां बनते समय देवें।
4. मक्का में तना छेदक कीट के नियंत्रण हेतु कार्बोफ्यूरॉन 3 प्रतिशत कण 5 से 7.5 कि.ग्रा. प्रति हैक्ट. की दर से पौधों के पोटों में डालें।
5. उड़द एवं मूंग फसल में जलीय घुलनशील उर्वरक नत्रजन: फॉस्फोरस: पोटाश (18:18:18) की 0.5 प्रतिशत की दर से फूल आने पर पर्णीय छिड़काव करें।
6. सोयाबीन में गर्डल बीटल नियंत्रण हेतु डायमिथोएट 30 ई.सी. 1 लीटर या थायाक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मिलीलीटर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
7. सोयाबीन फसल में पत्ती भक्षक लटों के प्रभावी प्रबन्धन हेतु बीटी 127 एस.सी. 3.0 मि. ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
8. समेकित कीटनाशी जीव प्रबन्धन के लिए किसान मित्र कीट जैसे ट्राइकोग्रामा, क्राइसोपरला, कोक्सीनेला का उपयोग करें।
9. फली छेदक लट् (हेलीकोवर्पा) एवं तम्बाकू लट् के प्रबन्धन के लिए एन.पी.वी. तथा व्याधियों के नियंत्रण के लिए जैव फफूँदनाशी ट्राइकोडर्मा का प्रयोग करें। फेरामेन ट्रेप भी लगायें।
10. खरीफ की खड़ी फसलों में जस्ते की कमी होने पर जिंक सल्फेट 5 कि.ग्रा.+ बुझा हुआ चूना 2.5 कि.ग्रा. को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्ट. की दर से छिड़काव करें।
11. सतंरे में काली मस्सी (ब्लैक फ्लाई) के नियंत्रण हेतु अगस्त माह में 15 दिन के अन्तराल पर पर्णीय छिड़काव क्रमशः इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. का 0.5 मि.ली. प्रति लीटर या फेनप्रोपेथिन 30 ई.सी. का 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें या जैविक कीट नियंत्रण हेतु बायोएजेन्ट वर्टिसिलियम लेकेनी का 5.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पर्णीय छिडकाव अगस्त-सितम्बर माह में 10-12 दिन के अन्तराल से करें।
12. अरहर फसल में फली छेदक एवं मरूका कीट के प्रारम्भिक प्रकोप पर क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 ई.सी. का 100 ग्राम प्रति हैक्टर, एन.ए.ए. का 40 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव फूल शुरू होने पर तथा इसके 15 दिन उपरान्त इण्डोक्साकार्ब 15.8 ई.सी. का 375 मिली प्रति हैक्टर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
13. भिण्डी फसल में मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देते ही डायफेन्थ्यूरॉन 50 डब्ल्यू.पी. 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या एसीटामिप्रिड 20 एस.पी. 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 15 दिन के अन्तराल पर चार छिड़काव करें।
14. पपीता में रस चूसक कीटों (सफेद मक्खी) के नियंत्रण हेतु बायोएजेन्ट वर्टिसिलियम लेकेनी का 5.0 मि.ली. प्रति लीटर के 3 पर्णीय छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर करें। पीले रंग के चिपचिपे ट्रेप लगावें।
15. नये बगीचे लगाने हेतु फलदार पौधों का रोपण करें।
16. संतरे में फलों को गिरने से रोकने हेतु 2, 4-डी (उद्यानिकी ग्रेड) 10 मिली ग्राम प्रति लीटर घोल के हिसाब से छिड़काव करें।
17. नींबू वर्गीय फलों में पत्तियां खाने वाली इल्ली (निंबू तितली) नियंत्रण के लिये डायमिथोएट 1.5 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 1.5 मिलीलीटर या क्लोरीपायरिफॉस 3.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
18. पशुओं में मुँहपका-खुरपका, गलघोंटू, लंगडा बुखार, फड़किया रोग आदि के टीके नहीं लगवाएं हो, तो अभी लगवा लें।
19. भेड़ बकरियों में पी.पी.आर., भेड़ चेचक व फड़किया रोग होने की सम्भावना रहती है, अतः इन रोगों से बचाव के टीके लगवा लें। हरें चारे को छाया में सुखाकर ''हे'' व साइलेज बनावें।

सोयाबीन फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा केन्द्र के फार्म का अवलोकन

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत किसान मेले का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. हरीश वर्मा

मो0 नं0 94142-87415 कार्यालय फोन : 0747 - 2457162

ई-मेल : kvkbundiaukota@gmail.com, kvkbundi@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

7. श्री कृष्ण जन्माष्टमी
19. माननीय कुलपति महोदय द्वारा घोषित अवकाश (गणेश चतुर्थी)
25. रामदेव जयन्ती, तेजा दशमी एवं खेजड़ली शहीद दिवस
28. बारावफात (चाँद से)

सितम्बर, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	07 श्री कृष्ण जन्माष्टमी	3 चतुर्थी	10 एकादशी	17 द्वितीया	24 नवमी
सोमवार Monday	19. गणेश चतुर्थी	4 पंचमी	11 द्वादशी	18 तृतीया	25 दशमी-एकादशी
मंगलवार Tuesday		5 षष्ठी	12 त्रयोदशी	19 चतुर्थी	26 द्वादशी
बुधवार Wednesday	25. तेजा दशमी जयंती	6 सप्तमी	13 चतुर्दशी	20 पंचमी	27 त्रयोदशी
गुरूवार Thursday	28. बारावफात (चाँद से)	7 अष्ठमी	14 अमावस्या दिन-रात	21 षष्ठी	28 चतुर्दशी
शुक्रवार Friday	1 भाद्र कृष्णा	8 नवमी	15 अमावस्या	22 सप्तमी	29 पूर्णिमा
शनिवार Saturday	2 तृतीया	9 दशमी	16 भाद्र शुक्ला	23 अष्टमी	30 अश्विन कृष्णा

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. खरीफ की खड़ी फसलों में लगातार वर्षा होने पर पीलापन की समस्या आती है अतः फेरस सल्फेट (हरा कसीस) का 0.5 प्रतिशत घोल का छिडकाव करें।
2. सोयाबीन में अर्धकुण्डल इल्ली व गर्डल बीटल के नियंत्रण हेतु मैलाथियान 5 प्रति. चूर्ण या क्यूनोलफास 1.5 प्रति. 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्ट. की दर से भुरकाव करें।
3. धान में तना छेदक व पत्ती लपेटक कीट नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर तथा केवल पत्ती लपेटक हेतु एसीफेट 75 एस. पी. 500 ग्राम प्रति हैक्ट. का छिडकाव करें। आवश्यकता होने पर 15-20 दिन बाद पुनः दोहरावें।
4. प्रतिकूल मौसम में ज्वार, मक्का व बाजरा फसलों में सिट्टे आते समय तथा सोयाबीन, मूंगफली व उड़द में फूल एवं फली बनते समय सिंचाई अवश्य करें।
5. असिंचित क्षेत्र में रबी की फसलों की बुवाई सुनिश्चित करने हेतु वर्षा बन्द होने पर बक्खर चला कर नमी का संरक्षण करें।
6. सोयाबीन की फसल में फूल झड़ने की समस्या हो तो फूल आते समय ब्रेसिनोस्टेरोईड 0.25 ग्राम + साइटोकाइनिन 2.5 ग्राम 500 लीटर पानी में घोल बना कर 10-15 दिन के अन्तर पर प्रति हैक्ट. की दर से दो छिड़काव करें।
7. अरहर की खड़ी फसल में थायोयूरिया 500 पी.पी.एम. के 2 पर्णीय छिड़काव फूल आने व फली बनने की अवस्था पर करें।
8. टमाटर, मिर्च एवं बैंगन की शीतकालीन फसल की नर्सरी लगावें।
9. हजारा (गैंदा) एवं गुलदाउदी की नर्सरी तैयार करें।
10. अमरूद के फलदार बगीचे में नत्रजन उर्वरक का प्रयोग करें।
11. गाय के मद (हीट) में आने के 12 से 18 घण्टे के अन्दर ग्याभिन करवाने का उचित समय है।
12. हरे चारे से साईलेज बनाएं एवं हरे चारे के साथ सूखे चारे को मिलाकर खिलाएं।
13. बरसीम व रिजका की बिजाई इस माह के अन्तिम सप्ताह में शुरू कर सकते हैं।

चना फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र पर स्थापित स्वचालित मौसम प्रयोगशाला

केन्द्र पर स्थित केचुंआ खाद इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. डी.के. सिंह
मो0 नं0 94146-62038 कार्यालय फोन : 07457-244862
ई-मेल : kvkanta@gmail.com, kvkanta@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org
प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

02. महात्मा गांधी जयन्ती, 15. नवरात्रा स्थापना
22. दुर्गाष्टमी
23. माननीय कुलपति महोदय द्वारा घोषित अवकाश (रामनवमी)
24. विजय दशमी (दशहरा)

अक्टूबर, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	1 आश्विन कृष्णा	8 नवमी	15 आश्विन शुक्ला	22 अष्टमी	29 कार्तिक कृष्णा
सोमवार Monday	2 तृतीया-चतुर्थी	9 दशमी	16 द्वितीया	23 नवमी	30 द्वितीया
मंगलवार Tuesday	3 पंचमी	10 एकादशी	17 तृतीया	24 दशमी	31 तृतीया
बुधवार Wednesday	4 षष्ठी	11 द्वादशी	18 चतुर्थी	25 एकादशी	
गुरूवार Thursday	5 सप्तमी दिन-रात	12 त्रयोदशी	19 पंचमी	26 द्वादशी	
शुक्रवार Friday	6 सप्तमी	13 चतुर्दशी	20 षष्ठी	27 त्रयोदशी	
शनिवार Saturday	7 अष्टमी	14 अमावस्या	21 सप्तमी	28 पूर्णिमा	

2. महात्मा गांधी जयंती

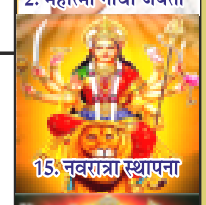
15. नवरात्रा स्थापना

22. दुर्गाष्टमी

23. रामनवमी

24. विजय दशमी (दशहरा)

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. चने की उन्नत किस्में: (देशी) जी.एन.जी. 1958, जी.एन.जी. 2144, जी.एन.जी. 2171, सी.एस.जे. 515, प्रताप चना 1, जी.एन.जी. 469 तथा (काबूली) काक 2 की बुवाई करें।
2. चने की फसली में जड़ गलन व उखटा रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेण्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. 0.75 ग्राम + थाइरम 1.0 ग्राम तथा कॉलर रोट हेतु (कार्बोक्सिन 37.5 + थायरम 37.5) का 1.0 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरीडी 4 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
3. चने की फसल में 20 किग्रा. नत्रजन, 40 किग्रा. फॉस्फोरस, 45 किग्रा. पोटाश तथा 5 किग्रा. लौह (20 किग्रा. फेरस सल्फेट) एवं 250 किग्रा. जिप्सम प्रति हैक्टर की दर से देवें। जिंक की कमी वाले क्षेत्रों हेतु 25 किग्रा. जिंक सल्फेट प्रति हैक्टर की दर से देवें।
4. चना फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण से पूर्व पेन्ड़ीमिथेलीन 30 ई.सी. 1.0 किलो सक्रिय तत्व/हैक्टर (व्यवसायिक दर 3.3 लीटर/है) या पेन्ड़ीमिथेलीन 38.7 सी. एस. 1.0 किलो सक्रिय तत्व/हैक्टर (व्यवसायिक दर 2.6 लीटर/है) को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
5. सरसों की उन्नत किस्में: एन.आर.सी.एच.बी. 101, डी.आर.एम.आर.आई.जे. 31(गिरिराज), एन.आर.सी.डी.आर. 2, बायो 902, वसुन्धरा, अरावली, लक्ष्मी, माया, जगन्नाथ, आर.जी.एन. 73, स्वर्ण ज्योति एवं आशीर्वाद की बुवाई करें।
6. सरसों में चितकबरा (पेन्टेड बग) के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. 6 मि. ली. या थायोमिथॉक्जाम 30 एफ.एस. 5 मि.ली. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें।
7. सिंचित सरसों हेतु 80 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फॉस्फोरस व 40 किग्रा सल्फर (375 किग्रा जिप्सम) प्रति हैक्टर का उपयोग अवश्य करें।
8. सरसों में आरा मक्खी व पेन्टेड बग के नियंत्रण हेतु क्यूनोलफॉस 1.5 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव बुवाई के 7-10 दिन की अवस्था पर करें।
9. मसूर की उन्नत किस्में: डी.पी.एल. 62, आई.पी.एल. 81, जे.एल. 3, आई.पी.एल. 316, कोटा मसूर 1, कोटा मसूर 2 व कोटा मसूर 3 की बुवाई करें तथा सिफारिशानुसार उर्वरक (20:40:20:20:5 नत्रजन:फॉस्फोरस:पोटाश: गंधक:जिंक) प्रति हैक्ट. एवं 1 ग्राम अमोनियम मोलीब्डेट + राइजोबियम + पी.एस.बी. + पी.जी.पी.आर. कल्चर 6 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज को उपचारित कर बुवाई करें।
10. मटर (बटला) की उन्नत किस्में: डी.डी.आर. 23, आई.पी.एफ.डी. 99-13, आई.पी. एफ.डी. 1-10, डी. एम. आर. 7 की बुवाई करें तथा सिफारिशानुसार उर्वरक (20:40:20:20:5 नत्रजन:फॉस्फोरस:पोटाश:गंधक:जिंक) प्रति हैक्ट. एवं 1 ग्राम अमोनियम मोलीब्डेट + राइजोबियम + पी.एस.बी. + पी.जी.पी.आर. कल्चर 6 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज को उपचारित कर बुवाई करें।
11. नींबू वर्गीय फल पौधों में चूसक कीटों के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करें।
12. लहसुन की जी-282, यमुना सफेद-2, जी. 50, जी-323 किस्मों को 6 ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति किलो बीज से उपचारित कर बुवाई करें।
13. लहसुन में खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पूर्व पेण्डिमिथेलिन 30 ई.सी. का 1 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. एवं रोपाई के 30 दिन पश्चात् ऑक्सीफ्लोरफेन 23.5 ई.सी. का 0. 240 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. का छिड़काव करें।
14. मटर की उन्नत किस्मों आजाद पी-1, 2, 3, जीएस-10 की बुवाई करें।
15. रबी प्याज किस्म एग्री फाउन्ड लाईटरेड व भीमा शुभ्रा की नर्सरी तैयार करें।
16. गुलाब के पौधों में कटाई-छँटाई करें व नये पौधे लगाने हेतु कलम लगायें।
17. ग्लेडियोल्स फूल के बल्बों की बुवाई करें।
18. संतरे के पौधों से कीट ग्रस्त गिरे हुए संतरों को इक्टठा कर गढ्ढे में दबा देवें।
19. इस माह में सर्दी का मौसम शुरू हो जाता है। अतः पशुओं का सर्दी से बचाव का उचित प्रबन्ध करें।
20. परजीवी तथा कृमि नाशक दवा/घोल देने का उपयुक्त समय है। परजीवीनाशक दवा को बारी-बारी से बदल कर उपयोग में लें।

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन उडद (मुकुन्दरा उडद-2)

केन्द्र पर गरीब कल्याण सम्मेलन का आयोजन

आर्या परियोजना के तहत मधुमक्खीपालन प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. तारा चन्द वर्मा

मो0 नं0 94143-85905 कार्यालय फोन : 07432-294405

ई-मेल : pckvk_jhalawar@yahoo.com, kvkjhalawar@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

12. दीपावली, 13. गोवर्धन पूजा
15. भाईदूज, 27. गुरूनानाक जयंती

नवम्बर, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	12. दीपावली	5 अष्टमी	12 चतुर्दशी	19 षष्ठी	26 चतुर्दशी
सोमवार Monday	13. गोवर्धन पूजा	6 नवमी	13 अमावस्या	20 अष्टमी	27 पूर्णिमा
मंगलवार Tuesday	15. भाईदूज	7 दशमी दिन-रात	14 कार्तिक शुक्ला	21 नवमी	28 मार्गशीष कृष्णा
बुधवार Wednesday	1 कार्तिक कृष्णा	8 दशमी	15 द्वितीया	22 दशमी	29 द्वितीया
गुरूवार Thursday	2 पंचमी	9 एकादशी	16 तृतीया	23 एकादशी	30 तृतीया
शुक्रवार Friday	3 षष्ठी	10 द्वादशी	17 चतुर्थी	24 द्वादशी	27. गुरूनानक जयंती
शनिवार Saturday	4 सप्तमी	11 त्रयोदशी	18 पंचमी	25 त्रयोदशी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की सामान्य सिंचित बुवाई हेतु उन्नत किस्में: राज. 4037, राज. 4079, राज. 4120, राज. 3077, जी.डब्ल्यू. 190 तथा एच.आई. 8498 (काठिया), एच.आई. 8713 की बुवाई 15 नवम्बर से प्रारम्भ करें (बुवाई के समय अधिकतम व न्यूनतम तापमान का औसत 20 डिग्री सेल्सियस रहे)।
2. जौ की उन्नत किस्में: आर.डी. 2052, आर.डी. 2035, आर.डी. 2503, आर.डी. 2508, आर.डी. 2552, आर.डी. 2668 व आर.डी. 2715 की बुवाई नवम्बर के प्रथम पखवाड़े से प्रारम्भ करें।
3. धनियां की उन्नत किस्में: सी.एस. 6, आर.सी.आर. 436, आर. के.डी. 18, आर.सी.आर. 480, आर.सी.आर. 684, प्रताप राज धनिया 1 व आर.डी. 385 की बुवाई करें।
4. धनिये में लौंगिया रोग से बचाव हेतु हेक्साकोनाजॉल 5 ई.सी. या प्रोपीकोनाजॉल 25 ई.सी. 2 मिली प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर 30 अक्टूबर से 15 नवम्बर बुवाई करें।
5. सिंचित धनिये हेतु 50 किग्रा नत्रजन, 30 किग्रा फॉस्फोरस तथा 20 किग्रा पोटाश प्रति हैक्ट. देवें।
6. बारानी खेती में अलसी की उन्नत किस्म कोटा बारानी अलसी -3 व कोटा बारानी अलसी -4 की बुवाई 1 से 15 नवम्बर तक करें।
7. सिंचित अलसी हेतु 50 किग्रा नत्रजन, 30 किग्रा फॉस्फोरस, 30 किग्रा पोटाश तथा 60 कि. ग्रा. गन्धक (375 किलो जिप्सम) प्रति हैक्टर देवें। जिंक की कमी वाली मृदाओं में 25 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति हैक्टर देवें।
8. मक्खनघास को हरे चारे हेतु 14 किग्रा. प्रति हैक्टर बीज दर से बुवाई करें।
9. रबी प्याज की पौध का खेत में रोपण कर देवें।
10. पशुओं को बिछावन सूखा होना चाहिए तथा प्रतिदिन बदल लें।
11. बरसीम व रिजका की बिजाई माह के मध्य तक अवश्य पूरी कर लें।
12. तीन वर्ष में एक बार पी.पी.आर. का टीका भेड़ और बकरियों को अवश्य लगवाएं।

माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा केन्द्र पर स्थित डेयरी इकाई का अवलोकन

केन्द्र पर स्थित नर्सरी इकाई

केन्द्र पर स्थित शहद प्रसंस्करण इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बच्चू सिंह

कार्यालय फोन : 07469-209969, मोबाइल : 94149-74292

ई-मेल : kvk.hnd.karauli@gmail.com, kvkkaroli@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

25. क्रिसमस-डे

दिसम्बर, 2023 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	31 चतुर्थी	3 षष्ठी	10 द्वादशी-त्रयोदशी	17 पंचमी	24 त्रयोदशी
सोमवार Monday	25. क्रिसमस-डे	4 सप्तमी	11 चतुर्दशी	18 षष्ठी	25 चतुर्दशी
मंगलवार Tuesday		5 अष्टमी	12 अमावस्या	19 सप्तमी	26 पूर्णिमा
बुधवार Wednesday		6 नवमी	13 मार्गशीर्ष शुक्ला	20 अष्टमी	27 पौष कृष्णा प्रतिपदा
गुरूवार Thursday		7 दशमी	14 द्वितीया	21 नवमी	28 द्वितीया दिन-रात
शुक्रवार Friday	1 मार्गशीर्ष कृष्णा	8 एकादशी	15 तृतीया	22 दशमी	29 द्वितीया
शनिवार Saturday	2 पंचमी	9 द्वादशी दिन-रात	16 चतुर्थी	23 द्वादशी	30 तृतीया

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की पिछेती किस्में जैसे राज 4238, एच.डी. 2236, जी.डब्ल्यू. 173, जी. डब्ल्यू. 273, राज 3765, राज 3077, राज 3777, एच.डी. 2932, एम.पी. 1243 तथा एच.आई. 8498 (काठिया) व एच.आई. 8713 की बुवाई दिसम्बर के प्रथम पखवाड़े तक करें।
2. गेहूँ में देरी से बुवाई करने पर बीज की मात्रा 125 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर का प्रयोग करें।
3. नत्रजन 120 कि.ग्रा. तथा 40 किग्रा. फास्फॉरस एवं 30 किग्रा. पोटाश प्रति हैक्ट. मिट्टी जांच के आधार पर देवें। धान के बाद गेंहू की देरी से बुवाई के लिये 150 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हैक्ट. देवें।
4. गेहूँ में प्रथम सिंचाई शीर्ष जड़ जमने के समय (बुवाई के 21-25 दिन बाद) अवश्य करें।
5. गेहूँ में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के 30-35 दिन बाद 2, 4-डी एस्टर 500 ग्राम या 2, -4 डी अमाईन साल्ट 750 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टर की दर से 500-700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
6. चौडी एवं संकरी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के 30-35 दिन बाद क्लोडीनोफॉप प्रोपार्जिल 15 प्रति. + मेटासलफ्यूरान मिथाइल 1 प्रतिशत (मिश्रित दवा) 52 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्ट. की दर से 500-700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
7. सरसों में मोयला कीट नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ई.सी. 875 मिली प्रति हैक्टर का छिड़काव करें। मधुमक्खी बॉक्स को खेत में रखने पर सरसों की पैदावार में वृद्धि होती है।
8. धनियें में लौंगिया रोग के प्रबन्धन हेतु खड़ी फसल में हेक्साकोनोजोल 5 ई.सी. या प्रोपीकोनाजोल 25 ई.सी. का 2 मिली प्रति लीटर की दर से 45, 60, 75 दिन पर छिडकाव करें।
9. मसूर में वर्षा आधारित/सिमित सिंचाई परिस्थितियों में घुलनशील उर्वरक एनपीके (19:19:19) का 0.5 प्रतिशत के दो पर्णीय छिड़काव क्रमशः फूल आने एवं फली बनने पर करें।
10. लो-टनल में कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई करें।
11. संतरे में अम्बे बहार के फल की तुड़ाई पश्चात् पेड़ों पर से सूखी व रोगग्रस्त टहनियाँ काटकर नष्ट कर दें तथा पेड़ों पर कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. एक ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
12. संतरे में माईट्स के नियंत्रण के लिए डायकोफॉल 2 मि.ली. अथवा इथियान 2 मि.ली. अथवा गंधक द्रव 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 15 दिन के अंतराल पर दूसरा छिड़काव करें।
13. पशुओं का सर्दी से बचाव का उचित प्रबन्ध करें। रात में पशुओं को अंदर गर्मी वाले स्थान, जैसे की छत के नीचे या घास-फूस की छप्पर तले बांधें।
14. बिजाई के 50-55 दिन के बाद बरसीम एवं 55-60 दिन बाद जई की चारे के लिए कटाई करें। इसके पश्चात बरसीम की कटाई 25-30 दिन के अन्तराल पर करते रहें।
15. पशुओं को पीने के लिए ठण्डा पानी नहीं पिलाकर हमेशा ताजा पानी पिलावें। भेड़, बकरियों में चेचक (माता) का टीकाकरण करवाऐं।

केन्द्र पर विश्व मृदा दिवस का आयोजन

केन्द्र पर कॉलेज छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

मृदा स्वास्थ्य सुधार हेतु हरी खाद फसल (ढेंचा)

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बी.एल. ढ़ाका

मो0 नं0 94140-62768 कार्यालय फोन : 07462-213207

ई-मेल : kvk.smw@gmail.com, kvksmp@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@gmail.com, deeaukota@aukota.org

प्रायोजक : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा